VIDYA BHAWAN,BALIKA VIDYAPEETH

SHKATI UTTHAN ASHRAM, LAKHISARAI. 811311

Class – VII ' A' Date -26/06/2020 Class teacher – Amresh Kumar

C . C . A.

Dear students

Good morning all of you.

हार गया लेकिन खुद से जीत गया

आप सभी का स्वागत है

आज मैं आपको एक ऐसी motivational stories बता रहा हु जिसे पढ़ने के बाद

आपकी ऊर्जा पहले जैसी नही रहेगी तो चलिए

बिना आपका समय गवाये motivational story को शुरू करते है

हरीश नाम का एक लड़का था उसको दौड़ने का बहुत शौक था

वह कई मैराथन में हिस्सा ले चुका था

परंतु वह किसी भी race को पूरा नही करता था

एक दिन उसने ठान लिया कि चाहे कुछ भी हो जाये वह race पूरी जरूर करेगा

अब रेस शुरू हुई

हरीश ने भी दौड़ना शुरू किया धीरे 2

सारे धावक आगे निकल रहे थे

मगर अब हरीश थक गया था

वह रुक गया

फिर उसने खुद से बोला अगर मैं दौड़ नही सकता तो

कम से कम चल तो सकता हु

उसने ऐसा ही किया वह धीरे 2

चलने लगा मगर वह आगे जरूर बढ़ रहा था

अब वह बहुत ज्यादा थक गया था

और नीचे गिर पड़ा

उसने खुद को बोला

की वह कैसे भी करके आज दौड़ को पूरी जरूर करेगा

वह जिद करके वापस उठा

लड़खड़ाते हुए आगे बढ़ने लगा और अंततः वह रेस पूरी कर गया

माना कि वह रेस हार चुका था

लेकिन आज उसका विश्वास चरम पर था क्योंकि आज से पहले

race को कभी पूरा ही नही कर पाया था

वह जमीन पर पड़ा हुआ था

क्योंकि उसके पैरों की मांसपेशियों में बहुत खिंचाव हो चुका था

लेकिन आज वह बहुत खुश था

क्योंकि

आज वह हार कर भी जीता था

हम भी तो इस तरह की गलती करते है हमारी life में

कभी भी अगर कोई परेशानी होती है तो उस काम को नही करते और छोड़ देते है

अगर आप एक student हो और रोज 10 hr की study करते हो

और किसी दिन कोई परेशानी की वजह से आप पढ़ाई नही करते मगर आपको भले ही 5 hr मिले पढ़ना जरूर चाहिए

हरीश की कहानी से हमे यही सीखने को मिलता है कि अगर हम लगातार आगे बढ़ते रहे तो एक दिन हम हारकर भी जीत जाएंगे

छोटे छोटे कदम बढ़ाते जाओ और आगे बढ़ते जाओ

यही सफलता का नियम है